



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 518]

नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, अक्तूबर 5, 2000/आश्विन 13, 1922

No. 518]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 5, 2000/ASVINA 13, 1922

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अक्तूबर, 2000

सं. 127/2000-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 771(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की धारा 3 की उपधारा (6) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 74 के अंतर्गत आने वाला और उस ताम्र रिबर्ट से उत्पादित जिस ताम्र रिबर्ट का भारत से बाहर निर्यात टोल प्रगलन या टोल प्रसंस्करण के लिए किया गया है, ताम्र कैथोड, वायर बार एवं वायर की छड़ को, जब उसका भारत में आयात किया जाए,

(क) उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय उतने सीमाशुल्क, और

(ख) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने अतिरिक्त शुल्क से।

जो उस शुल्क से अधिक है, जो तब उद्ग्रहणीय होगी, यदि उक्त मालों का मूल्य निम्नलिखित के योग के बराबर हो, छूट देती है—

(i) यथास्थिति, टोल प्रगलन या टोल प्रसंस्करण खर्च, अर्थात्—

(क) मजदूरी,

(ख) ऐसे टोल प्रगलन या टोल प्रसंस्करण में प्रयुक्त सामग्री का खर्च (भारत से बाहर निर्यात किए गए मालों के खर्च से भिन्न), और

(ग) कोई अन्य प्रभार, जो विदेश में टोल प्रगलन या टोल प्रसंस्करण के संबंध में संदेय, और

(ii) दोनों ओर के बीमा और भाड़ा प्रभार,

यह निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा, अर्थात् :—

(क) यथास्थिति, ताम्र कैथोड, वायर बार एवं वायर छड़ का आयात भारत से बाहर ताम्र रिबर्ट के निर्यात की तारीख से एक वर्ष के भीतर किया जाता है;

(ख) यह दर्शित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य विद्यमान है कि यथास्थिति, ऐसा ताम्र कैथोड, वायर बार या वायर छड़, जिसका आयात किया गया है, वास्तव में उस ताम्र रिबर्ट के टोल प्रगलन या टोल प्रसंस्करण से अभिप्राप्त किया गया है, जिसका भारत से बाहर निर्यात किया गया था।

[फा. सं. 354/101/2000-टी.आर.यू.]

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)**

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th October, 2000

No. 127/2000-CUSTOMS

G.S.R. 771(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section(6) of section 3 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts copper cathodes, wire bars and wire rods falling under Chapter 74 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act and produced out of copper reverts, the said copper reverts having been exported out of India for toll smelting or toll processing, when imported into India,-

- (a) from so much of duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, and
- (b) from so much of additional duty leviable thereon under sub-section (1) of section (3) of the said Customs Tariff Act,

as is in excess of the duties which would be leviable if the value of the said goods were equal to the aggregate of -

- (i) the toll smelting or toll processing costs, as the case may be, that is to say, -
 - (a) labour charges,
 - (b) cost of material (other than the cost of the goods exported out of India) used in such toll smelting or toll processing, and
 - (c) any other charges which are payable in connection with the toll smelting or toll processing abroad ; and
- (ii) the insurance and freight charges both ways,

subject to the following conditions, namely :-

- (I) the copper cathodes, wire bars or wire rods, as the case may be, are imported within one year of the date of export of copper reverts out of India; and
- (II) sufficient evidence exists to show that the copper cathodes, wire bars or wire rods, as the case may be, which are imported have in fact been obtained out of toll smelting or toll processing of the copper reverts exported out of India.

[F. No. 354/101/2000-TRU]
SANJEEV SACHDEVA, Dy. Secy.